# ART INTEGRATED LEARNING ACTIVITIES

## शिखर 5

### पाठ 1: समय

1. **रचनात्मक कोना:** चार्ट पेपर पर सुंदर अक्षरों में निम्नलिखित दोहा और उसका अर्थ लिखकर कक्षा में टाँगिए – **(पेज 8)**

का वर्षा जब कृषि सुखाने,
समय चूकि पुनि का पछताने।

2. 'मैं समय हूँ।' – इस विषय पर आत्मकथा की शैली में एक अनुच्छेद लिखिए। **(पेज 8)**

### पाठ 2: पागल हाथी

1. **रचनात्मक कोना:** हाथी के स्वभाव, खान-पान तथा उसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए। **(पेज 16)**
2. मान लीजिए कि मोती भी इनसान की भाषा में बोलता-समझता है। अब राजमहल की ओर लौटते समय मुरली और मोती के बीच हुई बातचीत को वार्तालाप के रूप में लिखिए। **(पेज 16)**

### पाठ 3: सच्चा हीरा

1. **रचनात्मक कोना:** 'श्रवण कुमार' की कहानी पढ़ो और कक्षा में सुनाइए। **(पेज 22)**
2. इस कहानी को कक्षा में अभिनय के रूप में मंचन कीजिए। **(पेज 22)**

### पाठ 4: मुझमें भी प्राण हैं

1. **रचनात्मक कोना:** प्राणवान वस्तुएँ सजीव कहलाती हैं और अप्राणवान वस्तुएँ निर्जीव कहलाती हैं। अब दस सजीव और दस निर्जीव वस्तुओं की सूची बनाइए। **(पेज 30)**
2. प्रदूषण रोकने से संबंधित कुछ स्लोगन अर्थात् नारे चार्ट पेपर पर लिखकर उसे कक्षा में टाँगिए। **(पेज 30)**

### पाठ 7: मैं सबसे छोटी होऊँ

1. **रचनात्मक कोना:** इस कविता को लय के साथ कक्षा में गाइए। **(पेज 42)**
2. मान लीजिए, किसी बात पर तुम्हारी माँ तुमसे रूठ गई हैं। उनको मनाते हुए उन्हें एक पत्र लिखिए। **(पेज 42)**

### पाठ 8: सच्ची ईद

1. **रचनात्मक कोना:** इस कहानी से मिलती-जुलती मुंशी प्रेमचंद की कहानी 'ईदगाह' है। उस कहानी को पढ़िए। **(पेज 50)**
2. असलम की अम्मी ने ईद के दिन सेवइयाँ बनाईं। असलम जानना चाहता है कि उसकी अम्मी ने सेवइयाँ बनाते समय क्या-क्या चीज़ें और कब-कब डालीं। स्वयं सोचकर या अपनी माता जी से पूछकर असलम की सहायता कीजिए – **(पेज 50)**

### पाठ 9: सुनीता विलियम्स के अनुभव

1. **रचनात्मक कोना: आइए, खेलें एक खेल–**

आठ बच्चे गोल घेरा बनाकर खड़े हो जाएँ और एक बच्चा ब्लैकबोर्ड के पास खड़ा हो जाए। बाकी बच्चे अपनी-अपनी सीट पर बैठे रहें। अध्यापक/अध्यापिका ब्लैकबोर्ड पर निम्नलिखित तालिका बना दें– **(पेज 59)**

## पाठ 10: स्वर्ग की यात्रा

1. **रचनात्मक कोना:** 1. मान लीजिए, तुम्हें चौपटपुर के राजा का सलाहकार नियुक्त किया गया है। अब तुम राजा को क्या सलाह देना चाहोगे? साथ ही, मंत्री के साथ तुम्हारा बर्ताव कैसा रहेगा? अनुमान से लिखिए। **(पेज 69)**
2. इस कहानी को नाटक के रूप में कक्षा में मंचन कीजिए। **(पेज 69)**

## पाठ 12: भारतवर्ष

1. **रचनात्मक कोना:** 2. भारत का मानचित्र देखिए और पता कीजिए कि इसके पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण दिशाओं में कौन-कौन से देश हैं। **(पेज 78)**

## पाठ 13: बचपन की यादें

1. **रचनात्मक कोना:** इंदिरा जी ने 'वानर सेना' का गठन किया था। इसके बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए। **(पेज 85)**

## पाठ 14: स्वार्थी दानव

1. **रचनात्मक कोना:** 'वसंत ऋतु' – इस विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए। **(पेज 92)**
2. नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में एक खूबसूरत बाग है – 'मुगल गार्डन'। इस बाग के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए। **(पेज 92)**

## पाठ 15: भारत-दर्शन

1. **रचनात्मक कोना:** आमों की कई किस्में होती हैं और वे अलग-अलग नामों से जानी जाती हैं। कुछ किस्मों के नाम पता कीजिए। **(पेज 100)**

## पाठ 16: श्रेष्ठ कौन

1. **रचनात्मक कोना:** कोसल नरेश और काशी नरेश के बीच क्या-क्या बातें हुई होंगी? अनुमान से सोचकर कक्षा में बताइए। **(पेज 108)**
2. निम्नलिखित पंक्तियों का अर्थ समझते हुए कक्षा में चर्चा कीजिए –

   जब धन खोता है तब मानो कुछ नहीं खोता है।

   जब स्वास्थ्य खोता है तब कुछ-कुछ खोता है।

   जब चरित्र खोता है तब सब कुछ खो जाता है। **(पेज 108)**

## पाठ 18: रहीम के दोहे

1. **रचनात्मक कोना:** कवि रहीम मुगल बादशाह अकबर के दरबार में नौ रत्नों में से एक थे। बाकी आठ रत्नों के नाम पता करके लिखिए। **(पेज 116)**
2. रहीम के कुछ अन्य दोहे एकत्रित करके उनके अर्थ जानिए। **(पेज 116)**

## पाठ 19: हृदय परिवर्तन

1. **रचनात्मक कोना: पहेली –** शब्द-जाल में उन स्थानों के नाम ढूँढ़कर गोले लगाइए जहाँ –

(क) महात्मा बुद्ध पैदा हुए थे।

(ख) महात्मा बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था।

(ग) उन्होंने पहला उपदेश दिया था।

(घ) उन्होंने जीवन का अधिकांश समय बिताया।

(ङ) उन्होंने बंदर से शहद ग्रहण किया था।

(च) उन्होंने शरीर का त्याग किया था।

(छ) उनका मठ बना हुआ है।

(ज) सम्राट अशोक ने स्तूप बनवाए थे। **(पेज 124)**

2. पता कीजिए कि, वह कौन-सी घटना थी जिसके कारण राजकुमार सिद्धार्थ (गौतम बुद्ध) ने महल त्याग दिया था और ज्ञान की खोज में निकल पड़े थे। **(पेज 124)**

3. यदि महात्मा बुद्ध तुमसे मिलें तो तुम उनसे क्या-क्या प्रश्न पूछना चाहोगे? कम-से-कम पाँच प्रश्नों की सूची बनाइए। **(पेज 124)**

## पाठ 20: गुलीवर की यात्रा

1. **रचनात्मक कोना:** 'एक दिन मैंने सपना देखा कि मैं एक टापू पर पहुँच गया हूँ। वहाँ के लोग पेड़ जितने लंबे-लंबे थे। . . .' – इसके बाद की कहानी अपने मन से बनाते हुए कक्षा में सुनाइए। **(पेज 132)**

2. किसी खोए हुए व्यक्ति का पता लगाने के लिए एक सूचना बनाइए। **(पेज 132)**

3. पानी पर चलने वाले कुछ वाहनों के नाम लिखिए। **(पेज 132)**

## पाठ 21: हवा रानी को चाहिए बदलाव

1. **रचनात्मक कोना:** 'प्रदूषण की समस्या' – इस विषय पर अपने विचार लगभग पचास शब्दों में लिखिए। **(पेज 139)**

2. ज्वालामुखी के बारे में इंटरनेट से जानकारी प्राप्त कीजिए। **(पेज 139)**

# ART INTEGRATED LEARNING ACTIVITIES

# शिखर 5

# शिक्षक संदर्शिका

## पाठ 1: समय

1. **अध्यापन संकेतः** कविता वाचन से पूर्व कविता की पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों से उनकी दिनचर्या के बारे में पूछें कि वे कितने बजे उठते हैं तथा कितने बजे सोते हैं। कब पढ़ते तथा कब खेलते हैं। क्या वे अपने सभी काम समय पर करते हैं?

   कविता का सस्वर वाचन करें। पहले स्वयं कविता के प्रत्येक अंश का वाचन करें फिर बच्चों से वाचन करवाएँ। कविता वाचन करते समय बीच-बीच में बच्चों से पूछें तथा समझाएँ –

   - उनसे पूछें – क्या कभी ऐसा हुआ है कि तुमने अपना समय किसी व्यर्थ के काम में नष्ट कर दिया हो जिसके कारण तुम्हें बाद में पछताना पड़ा हो।
   - बच्चों को समझाएँ कि समय को बेकार के कामों में लगाना, काम को टालते रहना या अच्छे अवसर की प्रतीक्षा में लगे रहना – इस सबसे समय नष्ट ही होता है। अपने आप में विश्वास रखना, समय का उचित उपयोग, परिश्रम करना ही सफलता की कुँजी है। इस तरह के भाव बच्चों में विकसित करें।
   - कठिन शब्दों के अर्थ कविता वाचन के साथ बताते जाएँ।

   कविता की पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें –

   रहती थी बापू की कटि में हरदम घड़ी लटकती,

   उन्हें एक क्षण की बरबादी थी, अत्यधिक खटकती।

   पंक्ति का अर्थ बताते समय बताएँ कि गांधी जी समय के बहुत पाबंद थे। उनका कोई प्रसंग यदि याद हो तो बच्चों को अवश्य सुनाएँ।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **( पेज 120 )**

## पाठ 2: पागल हाथी

1. **अध्यापन संकेतः** पाठ वाचन से पूर्व बच्चों से हाथी के बारे में चर्चा करें। उन्हें हाथी से संबंधित जानकारी दें। बच्चों को बताएँ कि आज हम जो कहानी पढ़ेंगे, उसमें एक हाथी के स्वभाव के बारे में ही बताया गया है। पाठ का स्वयं वाचन करें तथा फिर बच्चों से भी करवाएँ।

   बच्चों से पूछें तथा समझाएँ –

   - उन्हें कौन-कौन से जानवर पसंद हैं।
   - क्या उनके घर में कोई पालतू जानवर है। यदि हाँ, तो उसके स्वभाव और उसके खान-पान की आदतों आदि के बारे में बात करें।
   - बच्चों को बताएँ कि पशु-पक्षियों से प्रेम करना चाहिए।
   - पाठ में आए कठिन शब्दों को उच्चारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखें। बच्चों से भी उच्चारण करवाएँ।
   - बच्चों से पूछें, यदि तुम्हारा पालतू पशु तुम्हें नुकसान पहुँचाए तो तुम क्या करोगे – उसे घर से निकाल दोगे अथवा स्नेह द्वारा उसका क्रोध कम करने का प्रयास करोगे?

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 122)**

## पाठ 3: सच्चा हीरा

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों से उनकी माँ के बारे में तथा घर के अन्य बड़ों के बारे में चर्चा करें। पाठ का स्वयं वाचन करें अथवा एक-एक कर बच्चों से भी पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ।

   बच्चों से पूछें तथा समझाएँ –

   - क्या वे घर के कामों में अपनी माँ की सहायता करते हैं? यदि करते हैं तो कैसे तथा कब।
   - क्या वे अपने से बड़ों की आज्ञा का पालन करते हैं?
   - उन्हें समझाएँ कि हमें केवल घर पर ही नहीं अपितु बाहर भी अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए तथा आवश्यकता पड़ने पर उनकी सहायता भी करनी चाहिए।
   - बच्चों को मातृ-पितृ भक्त पुत्र श्रवण कुमार के बारे में भी बताएँ।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 124)**

## पाठ 4: मुझमें भी प्राण हैं

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का स्वयं वाचन करें अथवा एक-एक कर बच्चों से वाचन करवाएँ। बच्चों से प्राकृतिक संसाधनों के संबंध में चर्चा करें।

   बच्चों से पूछें तथा समझाएँ –

   - नदियों के उद्भव के बारे में बच्चों को संक्षिप्त रूप में बताएँ कि किस प्रकार नदियों के द्वारा सभ्यता का विकास होता गया।
   - उन्हें समझाएँ कि नदियों के प्रदूषण के क्या-क्या हानिकारक परिणाम हो सकते हैं।
   - नदियों का प्रदूषण रोकने के संबंध में बच्चों से उनके विचार जानने का प्रयत्न करें। प्रत्येक बच्चे को अपनी बात कहने का अवसर दें।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 125)**

## पाठ 5: लोकमान्य तिलक

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का स्वयं वाचन करें, फिर एक-एक अंश बच्चों से भी पढ़वाएँ। बच्चों से स्वाधीनता संग्राम से संबंधित चर्चा करें कि किस प्रकार देश को आज़ाद करवाने के लिए अनगिनत देशभक्तों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया।

   बच्चों से पूछें तथा समझाएँ –

   - बच्चों से कुछ स्वतंत्रता सेनानियों के नाम बताने को कहें।
   - उन्हें बाल विवाह, विधवा विवाह, स्त्री शिक्षा आदि के संबंध में जानकारी दें।
   - तिलक जी के नारे के बारे में बात करते हुए बच्चों को कुछ और प्रसिद्ध देशभक्ति नारों जैसे – 'अंग्रेज़ों भारत छोड़ो', 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा' आदि की चर्चा करें। बच्चों को बताएँ कि ये प्रसिद्ध नारे किस-किसने दिए थे।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 127)**

## पाठ 6: पकड़ा गया शेर

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 129)**

## पाठ 7: मैं सबसे छोटी होऊँ

1. **अध्यापन संकेत:** कविता का सस्वर वाचन करें। पहले स्वयं कविता के प्रत्येक अंश का उचित आरोह-अवरोह के साथ वाचन करें। फिर बच्चों से भी करवाएँ।

   बच्चों से पूछें तथा समझाएँ –

   - बच्चों से उनकी माँ के बारे में चर्चा करें।
   - उनकी माँ उनकी देखभाल किस तरह करती हैं?
   - वे बड़ा होकर अपनी माँ के लिए क्या करना चाहेंगे?
   - उन्हें समझाएँ कि माँ तुम्हारे लिए कितना कुछ करती हैं। तुम्हें भी उनका ध्यान रखना चाहिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 129)**

## पाठ 8: सच्ची ईद

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का स्वयं वाचन करें तथा बच्चों से भी पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। बच्चों से पूछें तथा समझाएँ–

   - उन्हें कौन-सा त्योहार सबसे अच्छा लगता है।
   - बच्चों से देश में मनाए जाने वाले विभिन्न त्योहारों के बारे में चर्चा करें। उन्हें 'ईद' के बारे में बताएँ।
   - बच्चों से पूछें कि क्या कभी उन्होंने अपने किसी मित्र या अन्य किसी की सहायता की है। यदि हाँ, तो कब और कैसे?
   - समझाएँ कि आवश्यकता पड़ने पर अपने मित्रों की सहायता करनी चाहिए। जो ज़रूरत पर काम आए वही सच्चा मित्र होता है।
   - असलम की अम्मी ने दिन-रात मेहनत करके पैसे जुटाए और असलम ने वह पैसे मोहन को दे दिए। तुम्हारी दृष्टि में ऐसा करके असलम ने सही किया अथवा गलत?

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 131)**

## पाठ 9: सुनीता विलियम्स के अनुभव

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का स्वयं वाचन करें अथवा एक-एक कर बच्चों से वाचन करवाएँ। उन्हें सुनीता विलियम्स के बारे में बताएँ। बच्चों से पूछें तथा समझाएँ–

   - बच्चों को भारतीय अंतरिक्षयात्री राकेश शर्मा तथा कल्पना चावला के बारे में जानकारी दें।
   - बच्चों से जानना चाहें कि वे अंतरिक्ष के संबंध में क्या-क्या जानते हैं अथवा उनकी कल्पना में अंतरिक्ष कैसा है।
   - बच्चों से पूछें, क्या वे किसी मुश्किल काम को करने से पहले ही छोड़ देते हैं।

- उन्हें समझाएँ, साहस और धैर्य द्वारा किसी भी काम को आसान बनाया जा सकता है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 133)**

## पाठ 10: स्वर्ग की यात्रा

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का स्वयं वाचन करें तथा फिर एक-एक करके बच्चों से भी वाचन करवाएँ। बीच-बीच में बच्चों से पूछें तथा समझाएँ–
   - बच्चों से पूछें कि क्या उचित है – किसी की हाँ में हाँ मिलाना? अथवा सबकी बात सुनने के बाद अपने बुद्धि-विवेक से निर्णय लेना?
   - बच्चों से पूछें कि एक अच्छे राजा के अंदर कौन-कौन से गुण होने चाहिए।
   - उन्हें बताएँ कि किसी पर भी आँखें बंद करके भरोसा नहीं करना चाहिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 135)**

## पाठ 11: सोचो, फिर खाओ और बचाओ

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 137)**

## पाठ 12: भारतवर्ष

1. **अध्यापन संकेत:** कविता का सस्वर वाचन करें। एक-एक कर बच्चों से कविता के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। कविता वाचन करते समय बच्चों को भारत की विशेषता, सभ्यता-संस्कृति आदि से परिचित करवाते जाएँ।
   - बच्चों से पछूें कि उन्हें अपने दशे भारत में सबसे अच्छा क्या लगता है। यहाँ के दशर्नीय स्थल, खान-पान, भारत का राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान या राष्ट्रीय ध्वज। (बच्चे कुछ भी उत्तर दे सकते हैं।)
   - कविता की पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें।

   है यहाँ ..... खड़ा हुआ,

   यह भारतवर्ष हमारा है।

   बच्चों को बताएँ कि हिमालय भारत के उत्तर में है और यह उत्तर दिशा से आने वाले शत्रुओं से हमारी रक्षा करता है। बताएँ कि गंगा नदी हिमालय पर्वत से ही निकलती है।
   - बताएँ कि भारत का प्राकृतिक सौंदर्य इतना अद्भुत है कि दूर-दूर से पर्यटक यहाँ आते हैं। हमें अपनी भारत भूमि पर गर्व करना चाहिए।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 138)**

## पाठ 13: बचपन की यादें

1. **अध्यापन संकेत:** पहले पाठ का स्वयं वाचन करें फिर बच्चों से करवाएँ। बच्चों से उनके बचपन के बारे में कोई ऐसी बात अथवा किस्सा बताने को कहें जो उन्हें याद हो।
   - बच्चों को इंदिरा गांधी के बारे में बताएँ।
   - उन्हें स्वाधीनता संग्राम से जुड़ी कुछ घटनाओं के बारे में भी जानकारी दें।

- इंदिरा गांधी की 'वानर सेना' के बारे में बच्चों को बताएँ। (यदि आप जानते / जानती हों।)
- बच्चों को समझाएँ कि यदि व्यक्ति में साहस हो तो वह मुश्किलों का सामना करने से नहीं डरता तथा विपरीत परिस्थितियों को भी अपने अनुकूल बना सकता है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 140)**

## पाठ 14: स्वार्थी दानव

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व पाठ से संबंधित चर्चा करें। बच्चे से पूछें कि उन्हें पता है कि स्वार्थी का क्या अर्थ होता है। बच्चों को बताएँ कि यह कहानी विदेशी लेखक ऑस्कर वाइल्ड की कहानी 'सेलफिश जांइंट' का हिंदी रूपांतर है। पाठ का आदर्श वाचन करें। बीच-बीच में पाठ संबंधित कुछ प्रश्न पूछते हुए बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करें। पाठ में निहित जीवन मूल्यों को विकसित करें।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 142)**

## पाठ 15: भारत-दर्शन

1. **अध्यापन संकेत:** बच्चों से घूमने-फिरने संबंधी चर्चा करें। पूछें, वे गर्मियों की छुट्टियों में कहाँ-कहाँ घूमने जा चुके हैं? अथवा उन्हें घूमना कैसा लगता है?

उन्हें बताएँ, इस पाठ में हम भारत की चार जगहों की विशेषताएँ, दर्शनीय स्थल आदि को जानेंगे। बच्चों से पाठ के एक-एक अंश का वाचन करवाएँ। बीच-बीच में उन्हें इन स्थानों के बारे में कुछ और विशेष बातें भी बताई जा सकती हैं, जो आप जानते/जानती हो। बच्चों से पूछें कि वे इनमें से किसी जगह पर परिवार के साथ घूमने गए हैं। यदि हाँ तो उनसे उनका अनुभव सुनाने को कहें।

- क्या कोई ऐसी जगह है जहाँ वे जाना चाहते थे पर अभी तक नहीं जा पाए हैं या फिर कोई ऐसी जगह जहाँ वे बार-बार जाना चाहते हैं।
- पाठ में आए कठिन शब्दों का अर्थ बताते जाएँ।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 144)**

## पाठ 16: श्रेष्ठ कौन

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से भी पाठ का एक-एक अंश पढ़वाएँ। बच्चों से पूछें, यदि कक्षा में कोई उन्हें परेशान करता है तो वे क्या करते हैं? अध्यापक/अध्यापिका को बताते हैं या वे स्वयं भी उसे परेशान करते हैं अथवा उसकी बातों पर कोई ध्यान न देकर उसे अनदेखा कर देते हैं।

- पाठ में उभारे गए जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करें। उन्हें समझाएँ, यदि कोई तुम्हें परेशान करे, तो बदले में हमें भी वैसा ही व्यवहार नहीं करना चाहिए। इस तरह समस्या का समाधान नहीं निकलता अपितु झगड़ा और भी बढ़ जाता है।
- बच्चों को गांधी जी का अहिंसा का मार्ग बताएँ – यदि तुम्हारे एक गाल पर कोई थप्पड़ मारे तो अपना दूसरा गाल भी उसके आगे कर दो। इससे उसे गलती का बोध अवश्य होगा।
- पाठ का मूल भाव बच्चों को समझाएँ। पाठ में आए कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ।

◗ बच्चों से पूछें, उनकी दृष्टि में श्रेष्ठ व्यक्ति कौन होता है। (बच्चों को अभिव्यक्ति का अवश्य दें।)

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 146)**

## पाठ 17: मोर नाच उठे

1. डिजीडिस्क (क्पहपक्पेब) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 148)**

## पाठ 18: रहीम के दोहे

1. **अध्यापन संकेत:** बच्चों से एक-एक दोहे का वाचन करवाएँ। प्रत्येक दोहे का अर्थ समझाएँ–

◗ **ऐसी बानी ..... सीतल होय॥**

हमें सबसे मीठी बोली बोलनी चाहिए। कभी किसी से कटु या कड़वे शब्द नहीं कहने चाहिए। मनुष्य की वाणी ऐसी होनी चाहिए कि उसे सुनकर दूसरों को तो अच्छा लगे ही वह स्वयं भी अच्छा अनुभव करे।

◗ **बिगरी बात ..... माखन होय॥**

यदि कोई बात बिगड़ जाए या बिगड़ गई हो तो उस पर बार-बार चर्चा या बहस करने से कोई समाधान नहीं निकलता अपितु स्थितियाँ और खराब हो सकती हैं। जिस प्रकार फटे दूध को कितना ही मथा जाए उसमें से मक्खन प्राप्त नहीं होता।

◗ **रहिमन वे ..... नाहिं॥**

रहीम जी कहते हैं कि जो लोग दूसरों से कुछ माँगते रहते हैं या कुछ माँगने के लिए जाते हैं, उन लोगों की आत्मा तो पहले ही मर चुकी होती है पर उनसे पहले उन लोगों की आत्मा, मानवीयता मर जाती है, जो उन्हें कुछ देते ही नहीं अथवा कुछ देने के नाम पर वे चुप्पी साध लेते हैं।

◗ चौथे दोहे में मित्रता का महत्व बताया गया है। बच्चों को समझाएँ कि जो व्यक्ति दूसरों की सहायता करते हैं, उनका हित चाहते हैं उनसे अधिक धनी और कोई नहीं होता।

◗ पाँचवे दोहे में छोटी-बड़ी सभी वस्तुओं के महत्व की बात कही गई है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 148)**

## पाठ 19: हृदय परिवर्तन

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों से भी करवाएँ। उन्हें महात्मा बुद्ध के बारे में बताएँ। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। बच्चों को गौतम बुद्ध के बचपन की 'हंस' पक्षी की रक्षा से जुड़ी कहानी भी संक्षिप्त रूप में सुनाई जा सकती है।

◗ समझाएँ कि हर बात या समस्या का हल लड़ाई-झगड़े से नहीं निकला जा सकता। आपस में विचार-विमर्श द्वारा ही सही मार्ग का चुनाव संभव हो पाता है।

◗ सामान्य क्रिया तथा प्रेरणार्थक क्रिया समझाएँ। बताएँ कि जब कोई काम स्वयं न करके किसी दूसरे से करवाया जाता है, तब उसे प्रेरणार्थक क्रिया कहते हैं क्योंकि इस क्रिया में दूसरे व्यक्ति को काम करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 150)**

## पाठ 20: गुलीवर की यात्रा

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व पाठ की पृष्ठभूमि तैयार करते हुए बच्चों से पूछें कि वे कभी किसी जगह की यात्रा पर गए हैं। इस प्रश्न के उत्तर में यदि बच्चे वैष्णों देवी की यात्रा आदि के बारे में बताएँ, तो उन्हें अभिव्यक्ति का अवसर दें। उनसे उनके अनुभव सुनें। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों को बताएँ कि यह एक विदेशी कहानी है। बच्चों से पूछें –

   - यदि वे ऐसे किसी अनजान टापू या जगह पर पहुँच जाएँ तो क्या करेंगे – क्या घबरा जाएँगे? या वहाँ के लोगों के साथ तालमेल बिठाने का प्रयास करेंगे?
   - लिलिपुट के लोग गुलीवर से बहुत प्रेम करने लगे थे। यदि तुम गुलीवर की जगह होते क्या तुम भी लिलिपुट छोड़कर चले जाते तथा क्यों?
   - यदि किसी अनजान व्यक्ति को तुम्हारी सहायता की आवश्यकता हो तो तुम क्या करोगे? (इस प्रकार के प्रश्नों द्वारा बच्चों की निर्णय-क्षमता का आकलन हो सकेगा।)
   - पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करने का प्रयास करें।

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 152)**

## पाठ 21: हवा रानी को चाहिए बदलाव

1. **अध्यापन संकेत:** पाठ वाचन से पूर्व पाठ की संक्षिप्त पृष्ठभूमि तैयार करें। बच्चों से प्रदूषण के प्रकार की चर्चा करें। पाठ का वाचन करें।

   - बच्चों से जाने कि प्रदूषण कैसे उत्पन्न होता है?
   - पूछें, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, मृदा प्रदूषण आदि से क्या-क्या हानियाँ हो सकती हैं।
   - बच्चों से पाठ का मूल भाव बताने को कहें।
   - पर्यावरण की रक्षा के लिए तुम क्या-क्या करोगे?

   डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 155)**

## पाठ 22: कहानियों की कहानी

1. डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए। **(पेज 156)**